



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख्यात तथा
ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के
लिए संपर्क करें
9511151254

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia 9511151254

epaper.swatantraprabhat.com

@SwatantraPrabhatonline

news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव सीतापुर, हरदोई, शाहजहाँपुर, उन्नाव, हमीरपुर, बाराबंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर,

निगोहां पुलिस की तत्परता से बची इकलौते बेटे की जान...03

लखनऊ, बुधवार, 30 अक्टूबर 2024

वर्ष 06, अंक 35, पृष्ठ 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

प्रयागराज, कौशाम्बी, बांदा, महोबा, मिर्जापुर, भद्रेही, झारखण्ड, दिल्ली, बिहार, उत्तराखण्ड आदि जनपदों में प्रसारित

राशन के साथ अन्य सामान खरीदने को किया विवर तो जाएगी डीलरी...12

अजित या शिंदे.. शरद या उद्धव, बीजेपी और कांग्रेस गठबंधन के सीट बंटवारे में किसका चला सिवका?

● कांग्रेस और बीजेपी

गठबंधन ने सीट शेयरिंग का फॉर्मला बना लिया है। दोनों गठबंधन की ओर से कांग्रेस और बीजेपी ने बाजी गाई है, लेकिन सवाल अंजित, शिंदे, उद्धव और शरद पवार को लेकर है। आखिर सीट शेयरिंग में किसका सिवका चला है?

स्वतंत्र प्रभात

महाराष्ट्र के चुनावी दंगल का पहला पड़भाल खस्त हो गया है। राज्य की सभी 288 सीटों पर नामांकन दर्शकल करने की समय-सीमा तक हो चुकी है। पर्वता दाखिल करने के बाद दोनों गठबंधन के द्वारा सीटों का शेयरिंग का विवाह चाला गया है। महाराष्ट्र में एनडीए की तरफ से सबसे ज्यादा सीटों पर बीजेपी और इंडिया गठबंधन की तरफ से कांग्रेस चुनाव लड़ रही है।

हालांकि, सवाल अंजित पवार, शरद पवार, एकनांश शिंदे और उद्धव ठाकरे को लेकर है। पार्टीयों में टूट की बजह से पिछले 5 साल में यही 4 नेता महाराष्ट्र की

सियासत के केंद्र में थे।

88 सीट झटकने में कामयाब रहे

संस्थानिय पवार

शरद पवार की संयुक्त एनसीपी पिछली बार 125 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। 2023 में पार्टी में दो ही गढ़ और बड़े नेताओं में चले गए, लोकसभा चुनाव में शरद पवार 9 सीटें मिली थीं। विधानसभा वार देखा जाए तो शरद की पार्टी को इस वार सिर्फ 55 के अस्पृस सीटें मिलनी थीं, लेकिन शरद पवार ने इंडिया गठबंधन से 88 सीटें झटक ली हैं।

उद्धव ठाकरे ने मारी एकनाथ शिंदे से बाजी

2022 में शिंदेसना में टूट हुई, एक गुट एकनाथ शिंदे के साथ है तो दूसरा गुट उद्धव ठाकरे के साथ। उद्धव ठाकरे गुट कांग्रेस और शरद पवार के साथ गठबंधन के तहत चुनावी मैदान में है। वहीं दूसरी तरफ एकनाथ शिंदे का गठबंधन बीजेपी और अंजित पवार के साथ है।

सीट बंटवारे में एकनाथ शिंदे के मुकाबले उद्धव ठाकरे ने बाजी मार ली है। उद्धव गुट अब तक 85 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुका है। गुट की तरफ से 95 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की रणनीति है।

आरपीआई (अंतर्राष्ट्रीय) को पिछली बार 6 सीटों पर लड़ने को मिली थीं, इस बार उसे सिर्फ 1 सीटों पर लड़ने का मौका मिला है। सीट बंटवारे में कांग्रेस को भी नुकसान उठाया गया है। 2019 में 152 सीटों पर कैंडिडेट खड़े किए हैं बीजेपी के साथ-साथ उसकी छोटी पार्टीयों को भी नुकसान हुआ है।

पवार को अधिकांश पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठाओं की सीटें मिली हैं। यह पवार का गढ़ कहा जाता है।

बड़ी बगावत करने वाले अंजित 60 से कम पर सिमटे

2023 में अंजित पवार ने बड़ी बगावत की थी। 42 विधायकों के साथ-साथ अंजित ने एनसीपी के सभी बड़े नेताओं का अपने पाले में ले लिया था। एनडीए में अंजित की हिस्सेदारी बड़ी मारी जा रही थी,

उद्धव ने उन सीटों पर भी उम्मीदवार उतारा है, जहां पिछली बार कांग्रेस मजबूत थी। इनमें बांद्रा पूर्व, रामटेक और नासिक पश्चिमी सीट शामिल हैं।

दूसरी तरफ शिंदे को 80 से भी कम सीटों पर लड़ने का मौका मिला है। शिंदे गुट को मुबाद और पार्टीयों की ही नुकसान हुआ है।

अंजित (अंतर्राष्ट्रीय) को उम्मीदवार 6 सीटों पर लड़ने को मिली थीं, इस बार उसे सिर्फ 1 सीटों पर लड़ने का मौका मिला है।

सीट बंटवारे में एकनाथ शिंदे के मुकाबले उद्धव ठाकरे ने बाजी मार ली है।

उद्धव गुट अब तक 85 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुका है। गुट की तरफ से 95 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की रणनीति है।

अंजित (अंतर्राष्ट्रीय) को उम्मीदवार 6 सीटों पर लड़ने को मिली थीं, इस बार उसे सिर्फ 1 सीटों पर लड़ने का मौका मिला है।

सीट बंटवारे में एकनाथ शिंदे के मुकाबले उद्धव ठाकरे ने बाजी मार ली है।

उद्धव ने उन सीटों पर भी उम्मीदवार उतारा है, जहां पिछली बार कांग्रेस मजबूत थी। इनमें बांद्रा पूर्व, रामटेक और नासिक पश्चिमी सीट शामिल हैं।

दूसरी तरफ शिंदे को 80 से भी कम सीटों पर लड़ने का मौका मिला है। शिंदे गुट को मुबाद और पार्टीयों की ही नुकसान हुआ है।

अंजित (अंतर्राष्ट्रीय) को उम्मीदवार 6 सीटों पर लड़ने को मिली थीं, इस बार उसे सिर्फ 1 सीटों पर लड़ने का मौका मिला है।

सीट बंटवारे में एकनाथ शिंदे के मुकाबले उद्धव ठाकरे ने बाजी मार ली है।

उद्धव ने उन सीटों पर भी उम्मीदवार उतारा है, जहां पिछली बार कांग्रेस मजबूत थी। इनमें बांद्रा पूर्व, रामटेक और नासिक पश्चिमी सीट शामिल हैं।

दूसरी तरफ शिंदे को 80 से भी कम सीटों पर लड़ने का मौका मिला है। शिंदे गुट को मुबाद और पार्टीयों की ही नुकसान हुआ है।

अंजित (अंतर्राष्ट्रीय) को उम्मीदवार 6 सीटों पर लड़ने को मिली थीं, इस बार उसे सिर्फ 1 सीटों पर लड़ने का मौका मिला है।

सीट बंटवारे में एकनाथ शिंदे के मुकाबले उद्धव ठाकरे ने बाजी मार ली है।

उद्धव ने उन सीटों पर भी उम्मीदवार उतारा है, जहां पिछली बार कांग्रेस मजबूत थी। इनमें बांद्रा पूर्व, रामटेक और नासिक पश्चिमी सीट शामिल हैं।

दूसरी तरफ शिंदे को 80 से भी कम सीटों पर लड़ने का मौका मिला है। शिंदे गुट को मुबाद और पार्टीयों की ही नुकसान हुआ है।

अंजित (अंतर्राष्ट्रीय) को उम्मीदवार 6 सीटों पर लड़ने को मिली थीं, इस बार उसे सिर्फ 1 सीटों पर लड़ने का मौका मिला है।

सीट बंटवारे में एकनाथ शिंदे के मुकाबले उद्धव ठाकरे ने बाजी मार ली है।

उद्धव ने उन सीटों पर भी उम्मीदवार उतारा है, जहां पिछली बार कांग्रेस मजबूत थी। इनमें बांद्रा पूर्व, रामटेक और नासिक पश्चिमी सीट शामिल हैं।

दूसरी तरफ शिंदे को 80 से भी कम सीटों पर लड़ने का मौका मिला है। शिंदे गुट को मुबाद और पार्टीयों की ही नुकसान हुआ है।

अंजित (अंतर्राष्ट्रीय) को उम्मीदवार 6 सीटों पर लड़ने को मिली थीं, इस बार उसे सिर्फ 1 सीटों पर लड़ने का मौका मिला है।

सीट बंटवारे में एकनाथ शिंदे के मुकाबले उद्धव ठाकरे ने बाजी मार ली है।

उद्धव ने उन सीटों पर भी उम्मीदवार उतारा है, जहां पिछली बार कांग्रेस मजबूत थी। इनमें बांद्रा पूर्व, रामटेक और नासिक पश्चिमी सीट शामिल हैं।

दूसरी तरफ शिंदे को 80 से भी कम सीटों पर लड़ने का मौका मिला है। शिंदे गुट को मुबाद और पार्टीयों की ही नुकसान हुआ है।

अंजित (अंतर्राष्ट्रीय) को उम्मीदवार 6 सीटों पर लड़ने को मिली थीं, इस बार उसे सिर्फ 1 सीटों पर लड़ने का मौका मिला है।

सीट बंटवारे में एकनाथ शिंदे के मुकाबले उद्धव ठाकरे ने बाजी मार ली है।

उद्धव ने उन सीटों पर भी उम्मीदवार उतारा है, जहां पिछली बार कांग्रेस मजबूत थी। इनमें बांद्रा पूर्व, रामटेक और नासिक पश्चिमी सीट शामिल हैं।

दूसरी तरफ शिंदे को 80 से भी कम सीटों पर लड़ने का मौका मिला है। शिंदे गुट को मुबाद और पार्टीयों की ही नुकसान हुआ है।

अंजित (अंतर्राष्ट्रीय) को उम्मीदवार 6 सीटों पर लड़ने को मिली थीं, इ

सांकेतिक खबरें

पीलीभीत कलीनगर में होने वाले श्री रामलीला मेले में अंडा-मास की दुकानों पर प्रतिबंध लगाने के समर्थन में आम आदमी पार्टी ने सौंपा कठोरी अधिकारी को ज्ञापन

पीलीभीत कलीनगर आम आदमी पार्टी ने जिला अधिकारी अमित मिश्र के नेतृत्व में कलीनगर रामलीला मेले में अंडा-मास की दुकानों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर मेला कठोरी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कहा कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कलीनगर रामलीला मेला में श्री राम लीला मेले का आयोजन किया जा रहा है, पिछले कई वर्षों से हम देखते हैं कि श्री राम लीला मेला प्रांगण में अंडा-मास की भी दुकानें लगाती आ रही हैं, भगवान् श्री राम सनातन धर्म के पूजनीय है, हमारे आदर्श हैं, वर्षों से लगातार मेले में अंडा-मास की विक्री देखकर मन बहुत आहत है, एवं यह सनातन धर्म और भारतवर्ष के लिए चिंतनीय विषय भी है, इसलिए सनातन धर्म और राम भक्तों की अस्था को ध्यान में रखते हुए निवेदन के साथ मांग की है कि इस वर्ष में अंडा-मास की दुकानों को पूर्णतया निषेध कर एक नई शुरूआत की जावे। समस्त रामधनु और सनातन प्रेमी और आम आदमी पार्टी आपके संदेश आपार्थी होते हैं। ज्ञापन में जिला महापूर्ण प्रतिबंध कुमार, पंचायत प्रकोष्ठ जिलाल्यका/पूर्व प्रत्याशी पूर्णपुर विधानसभा विनाद कुमार भारती, अरविंद, रामदाल, गौरी शंकर, विंश्चल, खीरी आदि उपस्थित रहे।

वोटर आईडी, पैन कार्ड एटीएम कार्ड, बैंक कागजात बारामद



शाहजहांपुरा थाना कोतवाली पुलिस ने 6 पालुक मिशन बैंकों की तीन एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड, तीन आधार कार्ड, एक बैंक ऑफर्सी, साथ खाता खोलने के बैंक फॉर्म, लैपटॉप आधार कार्ड, 5 आधार कार्ड, कीछ्या प्रति एक बैंक आईडी कार्ड, एक जिओ सिम, एक कैमरा बैंक फॉर्म एवं एटीएम लिफाफा पैन कार्ड के लिफाफे, मोबाइल एक बैंक सफेद, एक पेन ड्राइव सहित एक अधिकृत को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा मिशन बैंकों की अनुसार थाना कोतवाली के मोहल्ला बिजली पुर निवासी रितेश प्रताप सिंह को पुल के निकट नव निर्माण नगर निगम के कार्यालय के निकट गिरफ्तार किया गया जिससे 340 रुपए उक्त सामग्री के साथ बारामद की गईये पुलिस ने विधि कार्रवाई कर मुकदमा पंजीकृत किया है।

पूर्व एमएलटी दुंकर जयेश प्रसाद ने किया मुकेश मिश्र जैलर्स का उद्घाटन



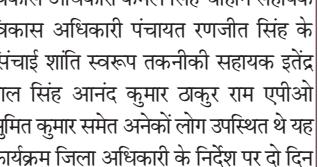
खुटारा थेट्रो के गंव गेहुंआ निवासी मुकेश मिश्र के पुवानों रोड पर मुकेश मिश्र लैटर्स का उद्घाटन मंगलवार को पूर्व एटीएलटी कंकर जयेश प्रसाद ने किया। इस मार्केट पर मुकेश मिश्र ने कहा कि उनके प्रतिशुल्क पर अचिक्षित कालिटी से सुनें चाहीं की आधुनिकीय उत्पन्न है। उन्होंने ग्राहकों से एक बार सेवा का मौका देने का आवाहन किया है। इस मार्केट पर जगत्र प्रसाद, आशीष दीक्षित, आयुष मिश्र, आदर्श दीक्षित, राकेश मिश्र, योगेश मिश्र, सहकारी गणना समिति पुवायां के डायरेक्टर श्रीकांत मिश्र आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

लॉक मुख्यालय पर मनाई रासदार पटेल की जयंती



बरेली/भद्रपुरा विकासखंड मुख्यालय पर खंड विकास अधिकारी कमल सिंह चौहान के नेतृत्व में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जयंती पर एक विकास अधिकारी कमल सिंह चौहान को जयंती मनाई गई। इस प्रतिशुल्क के निवेदन के द्वारा विकास अधिकारी कमल सिंह चौहान को जयंती मनाई गई।

पुलिस अधीक्षक द्वारा धनतेरस व आगामी दीपावली त्योहार के देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया



बिजुआ सहकारी समिति में डबल डी मार्क करके लोन वितरण किए जाने के आरोप

● शाखा प्रबंधक, सचिव व पूर्व आकिक ब्रेश दीक्षित मिलकर डिकार गये किसानों से वसूले गये कर्ज की धनराशि-अधिक्षक

ना कैरी और कैश रजिस्टर पूर्ण और ना ही पूर्ण स्टॉक रजिस्टर आखिर क्यों?

मानले की लीपापोती ने लगे नवीन तैनाती पाये सचिव

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी बहुदेशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिपिटेंड बिजुआ के सम्मानित एवं इमानदार अधिक्षक अश्वनी कुमार बाजपेंदे ने आरोप लगाया है कि सचिव अंदेंद कुमार व सचिव रविंद्र कुमार तथा शाखा प्रबंधक अमित मिश्र व पूर्व आकिक ब्रेश दीक्षित के मिली भगत से समिति में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार किया गया है जिससे समिति बाबौदी का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि को वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूली गई धनराशि आपस में बाटूर डिकार डिकार ली गई इसके साथ ही साथ एक किसान को डबल सदस्य बनाकर कर्ज वितरण एवं खाद की चेक बनाकर भारी फॉर्म वाले का कागार पर आ गए हैं अश्वनी कुमार बाजपेंदे के बताएं अनुसार उत्तर समिति के कर्मचारियों ने किसानों से कर्ज की धनराशि की वसूली करके बैंक में जमा न ही नहीं की की गई वसूल

रघुपति, राघव, राजाराम, राघवजी को चिर आराम

अपने ही नौकर के साथ व्यभिचार के आरोपों से भाजपा नेता राघव जी को अंतर्रत्न बलीनचिट मिल ही गयी। ये बलीनचिट सरकार ने नहीं बल्कि देश की सबसे बड़ी उस अदालत ने दी है जो अपने तमाम अधेर-अधेर आइसलों के लिए भी जानी जाती है। जिसमें आज भी लाखों के जघन्य अपराधों के मामले वर्षों से लंबित पड़े हुए हैं। भाजपा के 90 साल के नेता राघवजी अब चैन से विदा हो सकेंगे। उनके चरित्र पर उनके ही एक नौकर ने दाग लगाया था, जिसे साफ करने के लिए राघवजी ने पूरे 11 साल कानूनी लडाई लड़ी। इन ग्यारह सालों में उनके ऊपर क्या बोती थे या तो वे खुद जानते हैं या उपर वाला। राज्य सभा, लोकसभा और मप्र विधानसभा के सदस्य रह चुके राघव जी भाजपा के उन गिने चुने नेताओं में से एक हैं जिन्हें दुष्कर्म के आरोपों का सामना करना पड़ा है। राघव जी से पहले मप्र में ही संघ के एक बड़े नेता के खिलाफ भी कमोवेश इसी तरह की सीड़ी सार्वजनिक हुई थीं, लेकिन उन्हें अदालतों के चक्कर नहीं कटना पड़े थे। मप्र के बहुचार्चित 'हनी ट्रैप' काण्ड में तो कोई पकड़ा ही नहीं गय। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने मिलकर इस मामले पर राख डाल दी। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार में वित्त मंत्री रहे राघवजी को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने राघवजी को उनके नौकर के साथ कुकर्म करने के मामले में बतीन चिट दें दी है। मामले में 11 साल बाद फैसला आया है। इससे पहले मप्र हाईकोर्ट ने भी राघवजी को निर्दोष बताते हुए एफआईआर खारिज करने के आदेश दिए थे। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पूर्व वित्त मंत्री राघवजी ने कहा कि अखिरकार सत्य की विजय हुई। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद विदिशा शहर के कई समाजसेवियों और वरिष्ठ नागरिकों ने राघवजी के निवास पर पहुंचकर उन्हें शॉल और श्रीफल देकर उनका सम्मान किया। जनता को अब मानना ही पड़ रहा है कि हमारे यहां अदालतों में देर है अंधेर बिलकुल नहीं। भाजपा में कोई नेता दोषमुक्त हो या जमानत पर आये तो उसका सम्मान जरूर किया जाता है। केवल मप्र में ही नहीं बल्कि जहाँ-जहाँ भाजपा की सरकारें हैं वहाँ-वहाँ यही रिवायत है। गुजरात में यदि किसी अल्पसंख्यक महिला से बलात्कार के आरोपियों की सजा माफ़ी के बाबत उनका अधिनंदन होता है तो दक्षिण में पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या के आरोपियों को भी सम्मानित किया जाता है। हमारे बिरादरी के एक पत्रकार को ग्वालियर पुलिस ने वर्षों पहले देह व्यापार के एक मामले में पकड़ा था। अदालत से दोषमुक्त होने के बाद कलचुरी समाज ने उनका वैसा ही अभिनंदन किया था जैसा राघवजी का किया गया। देश में न्याय की देवी की आँखों से जबसे काली पट्टी हटाई गयी है तब से ही राघवजी जैसे अनेक लोगों की किस्मत चेत गयी है। देश की सबसे बड़ी अदालत को बुलडोजर के मामले में अपने मान-अपमान की फ़िक्र नहीं है लेकिन राघवजी जैसे उन बूढ़े भाजपा नेताओं के मान-अपमान का पूरा ख्याल है जिनके पांच कब्र में लटक रहे हैं। आपको यकीन नहीं होगा कि देश के सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों की संख्या 70154 से ज्यादा है किन्तु माननीय अदालत ने राघवजी को पहले सुनकर राहत दी। हमें यानि देश को इसी तरह के त्वरित न्याय की जरूरत है। देश में छोटी-बड़ी अदालतों में साढ़े चार करोड़ से ज्यादा मामले लंबित हैं। लेकिन सभी आरोपियों का नसीब राघवजी जैसा तो नहीं है। राघवजी भाजपा के उन नेताओं में से हैं जो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजेपी के लिए विदिशा सीट छोड़ चुके थे। पार्टी में उनका बड़ा सम्मान भी था, लेकिन राघवजी पर आरोप लगा था कि उन्होंने अपने नौकर के साथ अपाकृतिक कृत्य किया है। जुलाई 2013 में आरोप लगाने वाले नौकर ने हबीबगंज थाना भोपाल में शिकायत देकर एफआईआर कराई। सरकार से मंजूरी मिलने के बाद

इस सप्ताह के मन की बात कार्यक्रम में धानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल अरेस्ट 'बड़े मामलों को लेकर चिंता व्यक्त की। इस से पता चला कि सरकार जनता के साथ साइबर अपराधियों द्वारा तरह तरह के तरीके जाद कर की जा रही थीं और शोषण से जुटा हुआ सिर्फ भलीभांत अवगत है वरन् जनता की हितों की रक्षा के लिए सजग और चिंतित थीं। दरअसल साइबर अपराधी नए-नए अथकड़े अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं और उनके जीवन भर की कमाई नुस्खा रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट 'आनलाइन ग्रीं का ऐसा ही एक तरीका है। साइबर ठगों ने लोगों को अपने चंगुल में फंसाने के लिए इस नए तरीके को अपनाया है, जिसका नाम 'डिजिटल अरेस्ट'। इसमें ठगी करने वाले लोगों को फंसाने के लिए 'छेकमेलिंग' या 'यायादेहन का खेल खेलते हैं और लोग उनके जाल में फंस जाते हैं। इसमें ठग लिलिस, सीबीआई या आबकारी अधिकारी अपनकर लोगों को फोन करते और डराकर नहें घर पर ही बंधक बना लेते हैं। सबसे बड़हले, ठग फोन करके बताते हैं कि आपका भाधार कार्ड, सिम कार्ड, बैंक खाता आदि आपका उपयोग किसी गैरकानूनी काम के लिए दुआ है। यहां से लोगों को डराने-धमकाने का खेल शुरू होता और फिर ठगी का लक्ष्य दूरा किया जाता है। ठग बीडियो काल 'में अपनी तस्वीर के पीछे के दृश्य को किसी लिलिस स्टेशन की तरह बना लेते हैं, जिसे दखकर पीडित डर कर उनकी बातों में आ जाता है। ठग जमानत की बात कहकर लोगों को ठगी शुरू करते हैं। वे व्यक्ति को बीडियो काल 'से न तो हटने देते हैं और न ही किसी फोन करने देते हैं। इंटरनेट के तेजी से बढ़ते उपयोग के बीच डिजिटल अरेस्ट 'करेब का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। ऐसी घटनाओंपर अंकुश नहीं लग पाना

सरकारके लिए बड़ी चुनौती है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीने रविवारको अपने लोकप्रिय मन की बात 'कार्यक्रमके 15वें एपिसोडमें डिजिटल अरेस्टकी है। साइबर अपराधियों से निपटने के लिए 1,000 साइबर कमांडो' को प्रशिक्षित किया जा रहा है ये कमांडो देशभर में कानून लागू करने वाले अधिकारी हैं। इन्हें 6 महीने तक साइबर अपराध से जुड़ी हर तकनीकी और सूक्ष्म जानकारियों से लैस किया ग जाएगा। आईआईटी मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन ने यह प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया है। साइबर कमांडो' न केवल देश की साइबर रक्षा क्षमताओं को मजबूती प्रदान करेंगे, बल्कि साइबर हमलों से संवेदनशील डेटा की सुरक्षा करेंगे और डिजिटल संप्रभुता भी बनाए रखेंगे। इन्हें खासतौर से डिजिटल अपराध और

मो: 7499472288
E-Mail:
news@swatantraprabhat.com
RNI No: UPHIN/2019/79073

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी



बाद राघवजी को मंत्री पद से इस्तीफा दना पड़ा। 5 जुलाई 2013 को उन्हें भोपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया। लेकिन, फरीब दो साल तक पुलिस की ओर से मामले में चालन पेश नहीं किया गया। बुढ़ापे और दाग लगने के बाद दिसंबर 2015 में पुलिस ने कोर्ट में चालन पेश किया। इसके बाद राघवजी की ओर से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एफआईआर खारिज करने की मांग को लेकर एक याचिका दायर की गई। याचिका लंबे समय तक पेंडिंग में पड़ी रही। फरीब आठ साल बाद याचिका पर सुनवाई हुई। एक ही सुनवाई में हाईकोर्ट में फैसला नुनाया और एफआईआर निरस्त कर दी। 14 पेज के फैसले में हाईकोर्ट में मामले को राजनीति और द्वेषपूर्ण बताते हुए एफआईआर खारिज करने का आदेश दिया। लेकिन आरोप लगाने वाले नौकर ने अपनी हार नहीं मानी। वो हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा पहुंचा। आखिर नौकर किसका था?

हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ पीड़ित ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा बटखटाया। पीड़ित ने कोर्ट में याचिका दायर करते हुए हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने की मांग की। तीसरी सुनवाई में ही सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। उनका कहना था कि - मुझे पश्यंत्र क तहत यौन शोषण के मामले में फसाया था, जिससे मेरी सामाजिक और 60 साल के राजनीतिक जीवन पर धब्बा लग गया था। मुझे भारत के कानून पर भरोसा

जाती तो यह कलंग
बरबर राघव जी चैन
द्वारा राम भजन गाते हुए

भाजपा सभी दलों
जैसे लोग हैं। लेकिन
नसीब नेता काम ही है
वार एक आम समस्या
मम मामले पुलिस औं
ज तक पहुँच पाते हैं
तक तो अपवाद स्वरूप
है। इसलिए वे तमाज
के आरोपों का सामना
पीढ़िद कर सकते हैं जिस
उनको भी कलीन चिट
स्लीन चिट, नकल वा
त्पत्त्वपूर्ण है। आधूनिक
प्रौद्योगिकी नायदू भी हाल ही
नीनचिट पाकर मिस्टर
ग गए हैं। मुझे हैरानी
भाजपा के सदस्य
अच्छे-अच्छे दाग धु
क्से रह गए थे। भाजपा
वजी की सदस्यता वा
सकती है। हमारी
नी के साथ भी है औं
भी जो देश की सब
कार भी हार गया। ज

डिजिटल अरेस्ट

संपादकीय

कलम से क्रांति-कलम से ही भ्रांति लेखन कला में असीमित सामर्थ्य और क्षमताएं

(ज्यादा साच-कम बाल)

शब्दों का माहमा का अपरपर आर अक्षर को नश्वर बताया गया है। वैसे तो लेखनी की तीव्रता तलबार से ज्यादा नुकीली और भाले से ज्यादा चुभने वाली होती है। तलबार की धार से मनुष्य एक बार बच भी सकता है पर लेखनी से लिखे गए शब्द व्यक्ति को मर्त्य सा मूर्छित कर देते हैं। इसीलिए चिंतकों ने कहा है बोलने से पहले और लिखने से पहले कई बार सोचें और बोलने के बाद सोचने वाला व्यक्ति समाज में मूर्छों की श्रेणी में गिना जाता है। राजनीति और कूटनीति में सारी जद्दोजहद शब्दावली और भाषणों की होती है कूटनीति में एक शब्द के कई अर्थ निकाले जाते हैं और उससे अपना हित अहित साधा जाता है।

मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत मानसानुकी भी हो सकते हैं और बड़ी खत्रा जा न भा उपन्यासों खाकर चढ़काता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उपन्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फक़ड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं। निसदेह शब्द जीवन्तता प्रदान करते हैं और जीवनशैली को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं और द्रौपदी द्वारा कहे गए शब्द महाभारत की उत्पत्ति का कारण बनते हैं। इसीलिए सदैव कहा जाता है की संभलकर बोलने से सज्जति प्राप्त होती है। इसीलिए तो संभल कर सही और उपयुक्त शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। जो सदैव अच्छा वक्ता होता है अपने विचारों को संभल कर बोलता है भले ही वह दिलों को ना छुए पर उसका जनमानस को नीचना द्या जाता है और संपादा पा बड़ी ह कि रूस यूक्रेन के लिए युद्ध में विश्व के पूरे देश एवं रूस तथा यूक्रेन के राजनेता भी भारत की ओर युद्ध की शांति की पहल की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यही कारण है की युवा पीढ़ी को सदैव कम बोलने, सदाचारी संभाषण देने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है भारत की सांस्कृतिक तथा साहित्यिक विरासत को सत साहित्य और संतुलित भाषा का मनुष्य तथा समाज के विकास के लिए पर्याय माना गया है। इसीलिए संतुलित भाषा मीठी भाषा बोलने से सदैव समाज तथा देश का वातावरण विकास के अनुकूल होता आया।

सकारात्मक भा हा सकत ह आर बड़ हा भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं। एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बढ़ा दंगा करवा सकते हैं और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े-बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विशाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी-बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंगवे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सीधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य में अज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर जातना तय होता है आर ससार पर वहा राज करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल करता है, गलत शब्द से, गलत संभाषण से गलत विचारों से बोला गया बाक्य प्रलय भी ला सकता है। शब्दों को तौल कर विचार कर बोलना चाहिए अन्यथा उसके नतीजे भयानक भी हो सकते हैं। शब्दों की मार बहुत ही तेज और बहुत मीठी भी होती है एक शब्द महायुद्ध करवा सकता है और दूसरा शब्द ऐसी शीतल फुहाँ छोड़ता है कि सारा युद्ध उन्माद अखंड शांति में बदल जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका रूस, जापान, यूरोपीय देशों में दिए वहां के राष्ट्रपति व राजनेताओं द्वारा दिए गए भाषणों संभाषणों से युद्ध और कई बार शांति स्थापित हुई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा उनके कैबिनेट के मंत्री अपने दिए गए वक्तव्य से ही सारी दुनिया से अलग अलग हो गए हैं। और भड़काऊ भाषण के कारण आज दुर्दिति को प्राप्त हुए हैं। भारत शांति का दूत माना जाता है शांति स्थापना की सदैव मीठी वाणी बोलता आया है और यही कारण है कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति का पुजारी एवं दूत कहा जाता है एवं सदैव अंतर्राष्ट्रीय विवादों में उनके राजनेताओं गुस्से का तेरा कहर पसंद आया। गुस्से का तेरा कहर हमें पसंद आया, हसीन मीठ जहर हमें पसन्द आया। कमसिन हो रंजिश की नहीं है उम्र, गुस्से का नजराना हमें पसंद आया। तिरछी नजरों से यूँ न देखा करो हमें ये कातिलाना अंदाज हमें पसंद आया। आते हो सुलह के बहाने रोज मिलने, रुठ कर बापस जाना हमे पसंद आया। दुश्मनी का अंदाज भी बेहद निराला है, छब्बाओं में आंखें दिखाना पसंद आया। ईश्वर ने तुम्हे बक्शी है सारी मासूमियत खुलकर खिलखिलाना हमे पसंद आया। कसमें खाती कभी ना मिलनें की फिर भूल सब गले लग जाना हमें पसन्द आया।

संजीव ठाकुर

धनतेरस्यी त्रिनात के बीच द्विताली !

ली की शुरूआत वैसे तो
से मानी जाती है लेकिन

अपने मित्रों और लोकमत के विशाल परिवार के साथ खुशियां साझा करने का मेरा कार्यक्रम थोड़ा पहले ही शुरू हो जाता है।

मित्रों और लोकमत के विशाल परिवार के साथ खुशियां साझा करने का मेरा कार्यक्रम थोड़ा पहले ही शुरू हो जाता है। जब मैं परिवार शब्द का उपयोग करता हूँ तो उसमें आप विचारवान पाठकों समेत वो सभी लोग शामिल हैं जिन्होंने मुझे भरपूर प्यार दिया है और अपनी श्रेष्ठता से मुझे ऊर्जा प्रदान की है। आखिर यह त्याहार है ही ऐसा कि जब तक आप अपनों से खुशियां साझा न करें, प्यार के उजाले में अपनों को आलोकित न करें, तब तक उजाले का आनंद अधूरा रहता है। तो, सबसे पहले आप सबको दिवाली की ढेर सारी अग्रिम शुभकामनाएं। आपने गौर किया ही होगा कि ये दिवाली पिछले वर्षों की दिवाली से बिल्कुल अलग होने वाली है। जब मैं दिवाली के साथ ही चुनाव को लेकर सोच रहा था तो मुझे अचानक बचपन में पढ़ा एक बड़ा उम्दा सा मुहावरा याद आ गया... मन ही मन में लड़ फूटे... हाथों में फुलझड़ियां! जाहिर सी बात है कि मन में लड़ फूटना और हाथों में फुलझड़ियां होना, दोनों ही खुशियों का प्रतीक है। मगर चुनाव के मौसम

में किरदार अलग-अलग है। जिन्हें टिकट मिल गया है, उनके मन में स्वाभाविक रूप से लड़ू फूट रहे हैं। अभी यह कहना मुश्किल है कि वाकई लड़ू किसके मुंह को मीठा करेगा। लेकिन इतना तय है कि जिनके मन में लड़ू फूट रहे हैं वे आप मतदाताओं का मुझ जस्ता मीठा कराना चाहेंगे और आपके इलाके में विकास की गंगा बहाने की फुलझड़ी भी थमाएंगे। मैं जानता हूं कि बहुत से नेता ऐसे हैं जो विकास के लिए सदैव समर्पित रहते हैं लेकिन झुनझुना थमाने वालों की भी कोई कमी नहीं है। यह मानने में कोई हर्ज नहीं है कि पांच साल में अनेक वाले चुनावी उत्तरव में इस बार मतदाताओं की जिंदगी में भी दिवाली आएगी। चूंकि चुनाव के मौसम में दिवाली आई में हो, क्या उसे धनतेरसी नहीं कहगे? यह कहने में मुझे कोई संकोच नहीं है कि जब धनतेरस का त्यौहार नहीं होता है तब भी हमारी चुनावी व्यवस्था पूरी तरह से धन की गिरफ्त में होती है। तब भी धनतेरस शुरू रहता है। चुनाव में खर्च जगजाहिर होता है, यदि उमीदवार लोकप्रिय है और अपने निर्वाचन क्षेत्र में बहुत काम किया है तो भी चुनाव लड़ने के लिए पद्धति से बीस करोड़ रुपए तो चाहिए ही चाहिए। सीट पर संघर्ष हो तो आंकड़ा पचास करोड़ तक पहुंच सकता है। इसी साल लोकसभा चुनाव के ठीक पहले अमेरिकी पत्रिका 'द इकोनोमिस्ट' ने लिखा था कि भारत में लोकसभा के चुनाव दुनिया के सबसे महंगे, यहां तक कि अमेरिकी चुनावों से भी उसी दिन होगी जब चुनाव धनतेरसी नहीं होगी। फिलहाल दिवाली का अनंद लीजिए और चुनावी उमीदवारों को परखिए, चुनाव पर चर्चा फिर कभी, फिलहाल तो बात दिवाली की... नभ में तारों की बारात जैसे, तम को ललकारते ये नन्हे दीये! तम का आलिंगन कर अमावस में नव उजियारा लाते ये नन्हे दीये! बहुत कुछ बतियाते ये नन्हे दीये, तम का शौर्य घटाते ये नन्हे दीये! उजास पर्व भी मन के अंधियारे मिटाकर, प्यार और करुणा की रश्मियों से मन के अधियारे को हटाने का ही तो पर्व है !! दीपों का त्यौहार अच्छे स्वास्थ्य, प्रेम और खुशियों से परिपूर्ण रहे।



रहते हैं और वो कभी इलाके में आ जाएं तो फिर फुलझड़ियां तो क्या पटाखों की पूरी लड़ी फोड़ डालते हैं। लोकतंत्र के इस भारतीय दस्तूर के बीच मुझे अटल बिहारी वाजपेयी की एक कविता की कुछ पंक्तियां बार-बार याद आती हैं..

हम पड़ाव को समझे मंजिल
लक्ष्य हुआ आंखों से ओझल
वर्तमान के मोहजाल में आने वाला
कल न भुलाएं

आओ फिर से दीया जलाएं.
आहुति बाकी यज्ञ अधूरा
अपनों के विनों ने धेरा
अंतिम जय का वज्र बनाने नव
दर्थीचि हड्डियां गलाएं।

आओ फिर से दीया जलाएं।

दिवाली और चुनाव पर विचार करते हुए अचानक मेरे जेहन में एक शब्द कौंधा धनतेरसी! जो धन की गिरफ्त में दे — दे — दे — दे — दे — दे —

म हो, क्या उसे धनतेरसी नहीं कहगे? उसी दिन हांगी जब चुनाव धनतेरसी नहीं होगी। फिलहाल दिवाली का आनंद लीजिए और चुनावी उम्मीदवारों को परखिए। चुनाव पर चर्चा फिलहाल कभी, फिलहाल तो बात दिवाली की...
नभ में तारों की बारात जैसे,
तम को ललकारते थे नन्हे दीये!
तम का आलिंगन कर
अमावस में नव उजियारा लाते थे
नन्हे दीये!
बहुत कुछ बतियाते थे नन्हे दीये,
तम का शौर्य घटाते थे नन्हे दीये!
उजास पर्व भी मन के अंधियारों
मिटाकर, प्यार और करुणा की
रशिमयों से मन के अंधियारों को हटाने
का ही तो पर्व है !!
दीपों का त्यौहार अच्छे स्वास्थ्य,
प्रेम और खुशियों से परिपूर्ण रहे

संक्षिप्त खबरें

इंटर्नशिप के लिए छात्रों का हुआ चयन

देवरिया। उर्वरक क्षेत्र की विश्व की अग्रणी कंपनी इंडोरमा इंडिया प्रोफेट लिमिटेड के मुख्य विषयन अधिकारी दिलीप सिंह के दिशा निर्देश में कंपनी के विषयन विकास प्रबंधक डॉ विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक प्रेम के द्वारा महाविद्यालय एवं सम्बन्धित एवं अंतर्देशीय प्रताप सिंह, सहसम्बन्धक डॉ देवेंद्र यादव तथा राजीव समन्वयक प्रोफेसर प्रदीप द्विवेदी उपस्थित हो।

आरोग्य भारती ने भगवान धन्वंतरि की मनाई जयंती



देवरिया। आरोग्य भारती के तत्वाधान में सदर खड़ के ग्राम सिंहां में चिकित्सा जनक भगवान धन्वंतरि का पूजन अंचन कर जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के संबोधित करते हुए आरोग्य भारती के प्रतींती उपाध्यक्ष डॉ अंजीत नारायण मिश्र ने कहा कि पूरे देश भर में भगवान धन्वंतरि की जयंती राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाई जा रही है। आज के ही दिन भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर पूर्णी पर अवतरित हुए थे उन्होंने ही चिकित्सा का ज्ञान पूर्णी वासियों को दिया है। आरोग्य रखने के लिए आयुर्वेद में वर्णित सिद्धांतों को अपनाएं और स्वस्थ जीवन शैली योग और उचित आहार विहार तथा चिकित्सा का नियमित पालन करें। उन्होंने कहा कि निरेगी जीवन ही सुख सम्पदिका आधार है इसलिए जयंती पर सुख सम्पद है वही लक्ष्मी का निवास है। आज के ही दिन सभी चिकित्सक चिकित्सा सेवा का ब्रत लेकर चिकित्सा अध्यात्म में लागें। आरोग्य भारती द्वारा धन्वंतरि जयंती जिलों के प्रत्येक विकास खंड में मनाई जा रही है। संचालन आरोग्य भारती के पंकज कुमार चौधरी ने कहा। इस अवसर पर भाजपा के चिकित्सा प्रक्रिया के मंडल संघों की डॉ उमेश कुमार परियां, पंकज कुमार, शत्रुघ्नी चौहान, डॉ रामप्रवेश, डॉ जनादेव, संबोधन चौहान, डॉ रमेश चौहान, डॉ बनवारी लाल विश्वकर्मा, सल्यम, नवीन कुमार, प्रखर पांड्य, ऋतुजुल पांड्य, अंजीती, सुषिंगा सिंह, विनीत रावत, अभिषेक आदि मौजूद रहे।

एस डी एम व तीसों ने पटाखा लगाने वालों को दिया कड़ी चेतावनी



एक दूसरे दुकान के बीच होनी चाहिए चार मीटर की दूरी

गोलाबाजार गोरखपुर। मगल वार की देर शाम गोला उत्तरार में फैली मार्च पर निकले एसडीएम व सीओगोला के नेतृत्व में भारी पुलिस फौज के साथ धनतेरस के दिन आसन दीपावली त्याहार को भी देखते हुए गोला ब्लॉक मुख्यालय पर पहुंचे। जहां समने स्थित खेल मैदान में लगे पटाका दुकानों का शह निरीक्षण किया। साथ ही एसडीएम व सीओ ने घराएं के दुकान पर आग लगने के बचाव के लिए, पानी, बालू, फायर ना रहने पर नाराजी के दुकान हेतु हुए लासेंस रद्द करने के पटाएं। और स्पष्ट शब्दों में कहा कि एक दुकान से दूरी दुकान की दूरी चार मीटर की होगी। और दुकानों पर अगर आग से बचाव करना चाहिए।

सास और देवर ने बहु को मारपीट कर किया धायल, मुकदमा दर्ज

सहजनवा/गोरखपुर। हरपुर बुद्धद थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोरखपुर योला लकड़ी निवासियों विविधायिनी देवी पत्नी पन्नेलाल चौहान ने थाना पुलिस को तहरीर देकर सास और देवर के लियाक बी-एन-एस की धारा 126 (2), 115(2), 352, 351(3) मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोरखपुर गर्थोली निवासियों विविधायिनी पत्नी पन्नेलाल चौहान ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 25 अक्टूबर को सुबह 6 बजे के कारीब मैरी सास बच्ची देवी पत्नी रामपुर और देवर इन्द्रेश चौहान बही बही गालियों देते हुए लाली डड़ से बारायी पटाखा कर दिया। इस संबंध में थाना पुलिस को अस्तराल चौहान को शाने में तहरीर दी है। इस दिन विधिन प्रकार के सामानों को खरीदारों में मशगूल दिये। धनतेरस पर यह परम्परा है कि कुछ न कुछ सामानों की खरीदारी किया जाता है, जो सुध होता है। बताते चले देल कि धनतेरस पर जिसका बहुत ही महत्व है। अस-खु-समूह द्वारा चौहान को धनतेरस पर बाजार पूरी तरह सजे रहे। और ग्राहकों की भीड़ लगी रही। लगे अगर विधिन प्रकार के सामानों को खरीदारों में पश्चात् दिये। धनतेरस पर यह संबंध में मानवाध्य महेश कुमार चौहान ने बताया कि पैदित महिला की तहरीर पर सास और देवर के खिलाफ योग्यता दी गयी है। इस दिन सोना चांदी बतन वाहन जमीन घर की जांच की जा रही है।

आठवें दिन जारी रहा किसानों का धरना, 4 नवम्बर को ट्रैक्टर रैली को सफल बनाने हेतु किसानों की बुलाई गयी बैठक

स्वतंत्र ग्रा प भारत



देवरिया। विभिन्न मामों को लेकर किसानों का धरना आठवें दिन जारी रहा। इस दौरान 4 नवम्बर को आयोजित ट्रैक्टर रैली को सफल बनाने हेतु किसानों की बैठक बुलाई गयी। किसानों ने जिला प्रशासन के अधिकारियों पर नाराजगी जताई। भाकियू पूर्वी ३०४० उपाध्यक्ष किसान नेता विनय सिंह सैंधव के द्वारा किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्यालय में भेज कर, जो एस सी कृषि के 30 विधायियों को रोजे पाराक्रम के अंतर्गत कंपनी के कृषि वीर प्रोफेटेट में लिखित, सामूहिक विचार विमर्श एवं साक्षात्कार के माध्यम से चर्चित किया गया, जिसका नेतृत्व कंपनी के प्रबंधक विकेन्द्र श्रीवास्तव के द्वारा कंपनी एवं महाविद्यालय में समन्वय स्थापित कराकर 19 एवं 20 अक्टूबर को अपनी टीम को महाविद्याल

